

TS Pada Paatam – TS 3.4 corrections – Sanskrit – Observed till 30th Sep 2022

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
TS 3.4.7.1 - Vaakyam Line No. – Last line Panchaati No. - 19	अ॒फ॒स्स॒र॒स॑ स्त॒वाः प्र॒जा॒प॒ति॑ — — — — —	अ॒फ॒स्स॒र॒सः॑ स्त॒वाः प्र॒जा॒प॒ति॑ (visargam inserted) — — — — —
TS 3.4.10.3 - Padam Padam No. – 50 Panchaati No. - 38	वा॒स्तो॒ष्प॒ती॒य॒मि॒ति॑ — — — — — वा॒स्तोः॑ – प॒ती॒य॒म्॑ । स्या॒त् । — — — — —	वा॒स्तो॒ष्प॒ती॒य॒मि॒ति॑ — — — — — वा॒स्तोः॑ – प॒ती॒य॒म्॑ । स्या॒त् । — — — — —
TS 3.4.11.5 - Padam Padam No. – 3 Panchaati No. - 45	च॒र्ष॒णी॒धृ॒त॑ इति — — — — — च॒र्ष॒णी॑ – धृ॒तः॑ । श्र॒वः॑ । — — — — —	च॒र्ष॒णी॒धृ॒त॑ इति — — — — — च॒र्ष॒णि॑ – धृ॒तः॑ । श्र॒वः॑ । — — — — —



TS Pada Paatam – TS 3.4 corrections – Sanskrit – Observed till 30th November 2020

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
TS 3.4.3.6 - Vaakyam Line No. – Last Line Panchaati No. - 12	जो॒गु॒वा॒मप॒ इ॒त्या॑ – [] 12	जो॒गु॒वा॒मप॒ इ॒त्या॑ – [] 12
TS 3.4.3.8 - Vaakyam Line No. – 3 Panchaati No. - 14	धत्॑ ते॒ सा वा ए॒ष	धत्॑ ते॒ सा वा ए॒षा
TS 3.4.3.8 - Padam Padam No. – 28 Panchaati No. - 14	धत्ते॑ । सा । वै । ए॒ष ।	धत्ते॑ । सा । वै । ए॒षा ।
TS 3.4.7.2 - Padam Padam No. – 42 Panchaati No. - 20	सुव॑र्वा॒निति॒ सुवः॑ – वान् । पर्जन्यः॑ ।	सुव॑र्वा॒निति॒ सुवः॑ – वान् । पर्जन्यः॑ ।
TS 3.4.8.6 - Padam Padam No. – 45 Panchaati No. - 27	आदा॑येत्या॒ – दायः॑ । ऋ॒तवः॑ ।	आदा॑येत्या॒ – दायः॑ । ऋ॒तवः॑ । (visargam removed)

TS 3.4.9.1 - Padam Padam No. - 4 Panchaati No. - 29	व॒पेत् । प्र॒जा॒का॒म॒ इति॑ प्र॒जा - का॒मः॑ ।	व॒पेत् । प्र॒जा॒का॒म॒ इति॑ प्र॒जा - का॒मः॑ ।
TS 3.4.9.7 - Vaakyam Line No - 5 Panchaati 35	निर्व॑पेत् तथै॑नं॑ न	निर्व॑पेत् तथै॑नं॑ न
TS 3.4.10.1 - Vaakyam Line No - 2 Panchaati 36	जुष॑स्व श॒त्र॒ एधि॑	जुष॑स्व श॒त्र॒ एधि॑
TS 3.4.10.4 - Vaakyam Line No. - 4 Panchaati No. - 39	यद॑व॒क्षाणा॑न् य॒सं प्र॑क्षाप्य	यद॑व॒क्षाणा॑न् य॒सं प्र॑क्षाप्य (better representation)
TS 3.4.11.3 - Padam Padam No. - 49 Panchaati No. - 43	सा॒न॒सि॒म् । र॒यि॒म् ।	सा॒न॒सि॒म् । र॒यि॒म् ।
TS 3.4.11.4 - Vaakyam Line No. - 2 Panchaati No. - 44	स॒सा॒हि॒षे॑ पु॒रु॒हू॒त॒ श॒त्रू॒न्	स॒सा॒हि॒षे॑ पु॒रु॒हू॒त॒ श॒त्रू॒न्



TS Pada Paatam – TS 3.4 corrections – Sanskrit – Observed till 31st July 2019

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
TS 3.4.2.2-Padam 6th Panchaat	सीद । उ॒र्ध्वा । अ॒न्तरि॑क्षम् ।	सीद । ऊ॒र्ध्वा । अ॒न्तरि॑क्षम् ।
TS 3.4.3.6-Padam 12th Panchaat (1 st line)	यज॑मानस्य । यत् । अ॒नार्त॑ ।	यज॑मानस्य । यत् । अ॒नार्तः॑ । (missing visargam inserted)
TS 3.4.3.8-Padam 14th Panchaat	ए॒व । ए॒षा । आ॒प्ता ॥ 14	ए॒व । ए॒षा । आ॒प्ता ॥ 14
TS 3.4.7.2-Vaakyam 20th Panchaati	भुवः॑ सु॒क्षि॒थिः॑ सु॒भूति॑	भुवः॑ सु॒क्षि॒तिः॑ सु॒भूति॑
TS 3.4.7.2-Padam 20th Panchaati	रा॒स्व । आ॒ज्या॑निम् । रा॒यः ।	रा॒स्व । अ॒ज्या॑निम् । रा॒यः । (it is hraswam)
TS 3.4.7.3-Vaakyam 21st Panchaati	भी॒रुवः॑ चारुः॑ कृ॒पण॑	भी॒रुवश्चारुः॑ कृ॒पण॑
TS 3.4.10.1-Vaakyam 36th Panchaati	जुष॑स्व शन्न॑ ऐ॒धि॑ द्वि॒पदे॑	जुष॑स्व शन्न॑ ए॒धि॑ द्वि॒पदे॑

TS 3.4.11.6-Vaakyam
46th Panchaati

चि॒द्धि॑ ते॒ विशो॑ यथा॒

च्चि॒द्धि॑ ते॒ विशो॑ यथा॒

=====